



My Journey To My 'Moksha'

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

This was a miracle. Other than himself, my husband would trust my son-in-law with making such arrangements, and many a time, I have availed of his help in going to far off places for darshan etc.

The Dawn of a New Era

Elusive Sea Level Fingerprints

जैलैंस्की दो पाटों के बीच पिस रहे हैं !

एक तरफ तो यूक्रेन की जनभावना है, कि, किसी भी कीमत पर, रुस के सामने घुटने नहीं टेकने हैं, दूसरी तरफ कटु सत्य है, कि, अब ज्यादा दिन युद्ध नहीं कर सकता यूक्रेन

—सुकुमार साह—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूगो—
नई दिल्ली, 11 मार्ची युद्ध की तीव्र हाथाएं यूक्रेन पर कहर बप्पा रही हैं, ऐसे में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जैलैंस्की तत्वावारी की धार पर चल रहे हैं। उनका देश दो वर्षों के लगातार युद्ध दृढ़ चुका है, पश्चिमी समर्थन डगणगा रहा है, जो किसी समय तक यूक्रेन के अंडिग था। साथ ही साथ घरेलू घैये कम हो रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति, अपने लोगों के हाईसे रुख और भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के बीच फेंहे हैं। हर निर्णय, जो ले लेते हैं, उसके गंभीर परिणाम होते हैं। अब यूक्रेन के दो लोगों के बीच युद्ध की खाई में या फिर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल सकता है।

यूक्रेन की जनता पूरी क्षेत्रीय अंडिटों की मांग पर आडिग है, जिसमें क्रांतिकारी और डोनोंस की वापसी भी शमिल है। किसी भी प्रकार का क्षेत्रीय समर्थन धरेल विदेशी पैदा कर सकता है और जैलैंस्की की राजनीतिक रिष्टिकों को कमज़ोर कर सकता है। हालांकि,

- अगर जैलैंस्की समझौता करते हैं, तो जनता यह निर्णय स्वीकार नहीं करेगी, और उनके ही देश में उनका जन समर्थन कमज़ोर पड़ेगा।
- पर, यह भी सच है, कि, अगर शांति वार्ता शुरू नहीं की, तो, रुस के खिलाफ युद्ध अधिक समय नहीं खोना जा सकेगा। सेना दो साल से चल रहे युद्ध के बाद काफी थक गई है।
- जैलैंस्की कथा, इस दुविधा में संतुलन बिठा पायेंगे। खासतौर पर, पुराने प्रबलतम मददगार अमेरिका का रुख भी अब काफी परिवर्तित है। पूर्ण विश्वास से नहीं कहा जा सकता कि, अमेरिका, साथ खड़ा रहेगा युद्ध में।

जैसे—जैसे युद्ध लंबा होता जा रहा है, थकावट स्थृ रूप से दिखाई दे रही है। जैलैंस्की के समने जो चुनौतियाँ मार्चे पर सैनिक थक चुके हैं और उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की कमी, और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागरिकों को बिजली की धीमी और जटिल बना दिया है। एक समय के संकट तथा लगातार मिसाइल हमलों का यूक्रेन के सबसे मजबूत सहयोगी, समर्थन करना पड़ रहा है। अब कई लोग अमेरिका ने सैन्य सहयोग रोक दी है और वॉशिंगटन में राजनीतिक प्रतिरोध, विशेष रूप से दूष सार्थक रिपब्लिकन कार्यवाही की धीमा कर दिया है, जिससे याफर अस्थिर शांति के गर्त में धकेल करना चाहिए।

यूक्रेन की जनता के सामने जो चुनौतियाँ नहीं हैं, उन्हें पश्चिम के अस्थिर समर्थन ने नागर

#TECHNOLOGY

The Dawn of a New Era

Lenovo's Solar-Powered and Foldable Laptops redefine the Future of Computing



Burdened by the lines between science fiction and reality, Lenovo's latest laptop concepts signal a radical transformation in personal computing. For decades, laptops have undergone incremental improvements—thinner designs, sharper displays, and longer battery life. But at the

A Bold Vision: When Innovation Meets Sustainability

Imagine working outdoors, under the warmth of the sun, while your laptop quietly powers itself, free from the constraints of electrical outlets. Lenovo's solar-powered Yoga laptop brings this vision to life, integrating state-of-the-art solar panels capable of harnessing ambient light. The company claims that a mere 20 minutes of direct sunlight could fuel an hour of video playback, a promising step toward an era of self-sustaining

Social Media Frenzy: The Internet Reacts

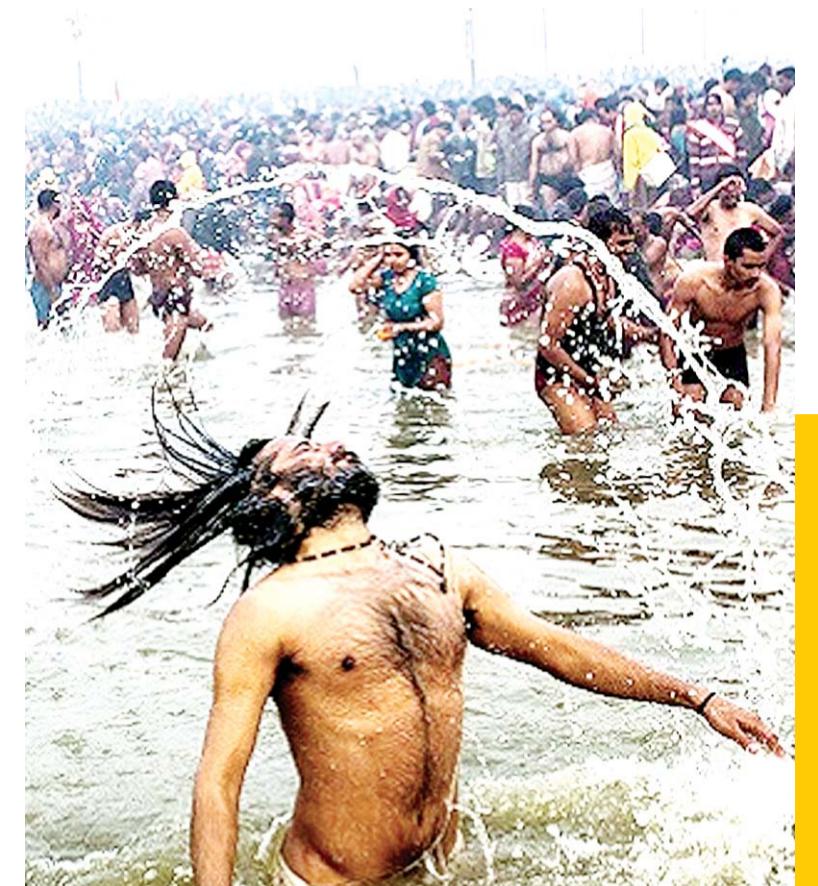
The unveiling of these laptops sparked lively discussions across social media. Tech enthusiasts marveled at the solar-powered potential to reduce reliance on chargers, while skeptics questioned its efficiency in low-light conditions. Meanwhile, the foldable ThinkBook 'Flip' received mixed reactions, some hailing

Revolution or Gimmick?

Lenovo's ambitious concepts challenge the very foundation of laptop design. The solar-powered model taps into the growing demand for sustainable tech, while the foldable screen pushes the boundaries of versatility and form factor innovation. Yet, history reminds us that not all futuristic ideas survive commercialization, many ground

The Future is taking Shape

Lenovo's latest innovations may still be in their infancy, but they hint at a future where technology adapts to us, not the other way around. Whether these laptops reach mainstream markets or remain experi-

Anjali Sharma
Senior Journalist &
Wildlife Enthusiast

A'Moksha' Roping in my *bahu* was the first practical step. She spent many of her afternoons searching for reasonable taxi services and mini bus rentals (in case, others become interested). So, we worked out the most reasonable price ever. The *cabwala* said that he could do the trip in two days flat, and he'd done twenty this Kumbh. "So, when did he sleep? And you'll get swept away in the river, you can't swim!" (This is a lie, my husband was gently flowing through the general masses. January was cold, but not cold enough to keep even old people out of the Ganga.)

Both my son and husband decided to dig in. You may be right, but I'm really right. I must

F1

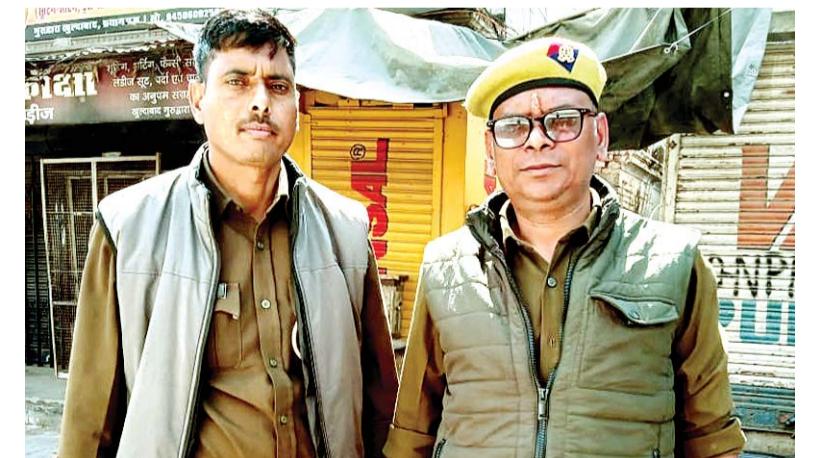
The biggest blow came in when my elder sister-in-law, by ten years, went for the dip with a whole contingent of relatives along with her husband, even older. She begged and cajoled me to join her group to the Ganga, but my husband was being the medieval fellow...

be old, I thought. I can't seem to remove such unreasonable opposition! For a sad moment, it looked like I've lost my touch, and worse, I've given up," my son told me.

I'm not one of the easily defeated, never been. But now, I'm one of the revered 'vridhajan' (I never acknowledge this publically), but the reported long march sounded daunting, especially in view of my knee replacement. To top it, I'd unknowingly got my cataract operation done. With an arsenal in my son's pocket, the war looked almost lost.

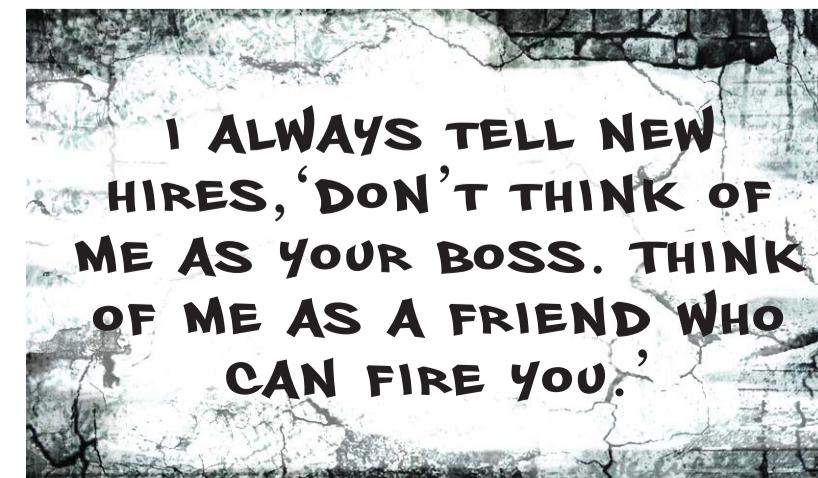
But hold on, if you are smart, you can leave very early from wherever you are staying, and beat the barrier, the police puts up to regulate the huge mass of people wanting to reach *Sangam*, and drive almost upto the bank. That takes care of the knees. And who takes dip with eyes open? No one I know.

But my safety net was a secret, as I don't want to lend it for hole punching. And I started a brain overdrive to plan out my



Policemen who helped us.

THE WALL



My Journey To My 'Moksha'

Kumbh is not absolution from our 'paap,' they remain to be settled as deemed by the lord, it is a cleansing of a soul that is residing in this body of its guilt arising from the 'paap,' the suffering of the 'paap' begins here.

It is an establishment of intent in the psyche that though many wrongs have been done by me in the past, I realize my mistake and come to you *Ganga*, for help so, I may not commit any more." This is a second chance at life, which God in his/her largesse gifts to us, without equal measures in exchange. After all, good deeds get benefits and bad get punishment, fair exchange. This is *Kumbh*. God's largesse.

#TRAVELOGUE



feeling, I decided to do something.

Walking back to the senior doctor's chamber, I formulated in my mind, what I was going to say.

"Doctor, I want to give you a gift." He looked surprised. "No no, there is absolutely no need," I understood his reluctance. So, I cleared all doubts. "Not what you think doctor, I want to pass on to you my knowledge about the purpose of *Kumbh*, and how one should be doing it. I have a bad feeling I might not be going, but I can assure that someone who is going benefits from me. That's my dip, my *medha* taking one if not I."

He yelled out for his wife, who was in the premises for something, and asked her to hear from me this process. I explained to her in detail. "Kumbh is not absolution from our 'paap,' they remain to be settled as deemed by the lord, it is a cleansing of this body of its guilt arising from the 'paap' begins here."

It is an establishment of intent in the psyche that though many wrongs have been done by me in the past, I realize my mistake and come to you *Ganga*, for help so, I may not commit any more."

This is a second chance at life, which God in his/her largesse gifts to us, without equal measures in exchange. After all, good deeds get benefits and bad get punishment, fair exchange.

This is *Kumbh*. God's largesse. Then, I told her some small little rituals to be followed, although if you know why you are going to *Ganga*, your absolution is already in place.

We came home, my son and I, having forgotten to ask the teller question. Next day, my son-in-law rang me to ask me if I wanted to go to the *Kumbh*. This was a miracle. Other than himself, my husband would trust my son-in-

out side effects of resentment.

It was soon my turn to be checked out by the doctor, who was now to clear me of any further need for medication, declared full fit. Bang, came in my hard earned blessings. As he went through the various steps of elimination of any problems remaining, after the surgery, came in his assistant. Maybe, his penis, but whom am I to downsize the deliverer of *kripa*? He had brought in the news of bookings confirmed, for *Kumbh snan* and tickets done for the doctor and his wife. That I was in the realm of his god, that is a cleansing of his body of its guilt arising from the 'paap' begins here.

It is an establishment of intent in the psyche that though many wrongs have been done by me in the past, I realize my mistake and come to you *Ganga*, for help so, I may not commit any more."

This is a second chance at life, which God in his/her largesse gifts to us, without equal measures in exchange. After all, good deeds get benefits and bad get punishment, fair exchange.

This is *Kumbh*. God's largesse. Then, I told her some small little rituals to be followed, although if you know why you are going to *Ganga*, your absolution is already in place.

We came home, my son and I, having forgotten to ask the teller question. Next day, my son-in-law rang me to ask me if I wanted to go to the *Kumbh*. This was a miracle. Other than himself, my husband would trust my son-in-

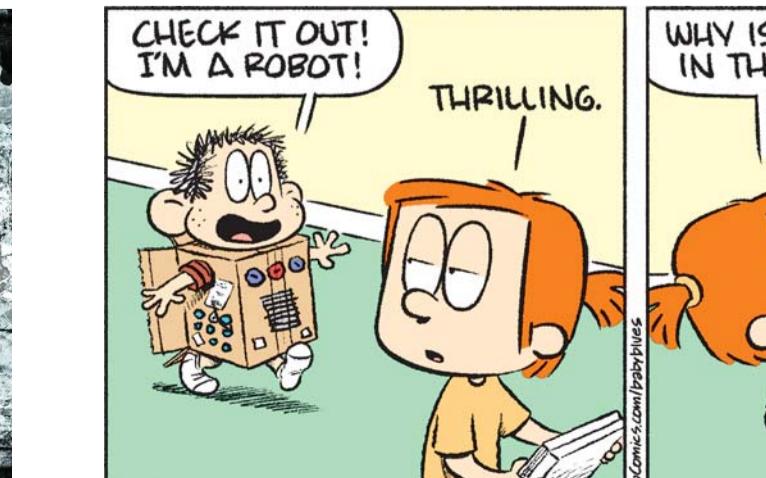
three of us were ready for the last push. We were just short of fifteen minutes to five when we crossed the first barrier. The first, as there were series of them to cross. It was a tough time, but I can't complain.

The police was doing their job well and without customary bad words and *daadagiri*, that a standard resentment towards this force left me. For a change, I spoke really politely to such policeman to guide me. He popped on to my car and took me around the small lanes which were now confusing me. I realized that I had almost forgotten my way in Allahabad, and the restaurant. Beautiful time catching up alone with the world fare. Truly, El-Chico should be visited more than on an off chance.

rajeshsharma1049@gmail.com

Absolute melee at *Sangam*, but no mishaps.

BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott



Alfred Hitchcock Day

Have you ever felt the grip of suspense while watching a film? Alfred Hitchcock mastered this art, creating movies that draw viewers into a world of suspense and psychological intrigue. Alfred Hitchcock Day, celebrated annually, grabs the spotlight as a thrilling tribute to one of cinema's most iconic filmmakers. Hitchcock often hailed as the 'Master of Suspense,' crafted films that have captivated and chilled audiences for decades. And this day is the time to celebrate such a unique perspective on the world!

H

ice sheets melt, something strange and highly counterintuitive happens to sea levels. The melting of Earth's massive ice sheet is often viewed as one of the most alarming

consequences of climate change, with the expectation that it will lead to a uniform rise in global sea levels. However, this assumption oversimplifies far more complex reality. While melting ice undoubtedly contributes to rising seas, the way water is redistributed across the globe is highly uneven, and in some cases, counterintuitive. Astonishingly, certain regions may experience a drop in sea levels as ice sheets melt, while others see a dramatic increase. This paradox is driven by the gravitational pull of ice sheets, the redistribution of ocean water, and the Earth's crustal response to ice loss. The challenge, therefore, is not just in predicting how much sea levels will rise but in understanding where and how these changes will unfold.

Water is incompressible. As I waited to be pulled into the water, (Yes, you need help at my age, but there are kind men all around you, women too at Kumbh). This is what absolution does to humanity, help, happiness, general goodness) what else could be of value? When humanity re-finds oneself and discovers this right within oneself! One really rich lady and her husband were taking a dip before us. They were taking a dip before us. It was a sight to see that man looking at his wife, so happy to be there. His ecstasy in her happiness was a picture of blessing. The Men, there, helped me and my sister, in some of the Sangam. There, among one thousand, if not more boats, ferrying people interspersed with water, police looking out for anyone drowning. Drones doing the same. The water was clean, no flotillas of food and such. This was practical arrangement so assiduously done that the Chief Minister of UP deserves a standing accolade. Even the police was available to help us.

Driver confirmed that he had done fifteen trips to Sangam with different people. So, at 2 A.M. all

son, but the policeman gave a growl to the boatman and he came down to the same pier for the whole boat. So now, me, my sister, the policeman, and the driver and a very old couple, who had latched on, went for the *snan*. The policeman told me that he'd joined in as his duty had got over; so, a *snan* was in for him too.

Sangam is indescribable. As I waited to be pulled into the water, (Yes, you need help at my age, but there are kind men all around you, women too at Kumbh). This is what absolution does to humanity, help, happiness, general goodness) what else could be of value? When humanity re-finds oneself and discovers this right within oneself! One really rich lady and her husband were taking a dip before us. They were taking a dip before us. It was a sight to see that man looking at his wife, so happy to be there. His ecstasy in her happiness was a picture of blessing. The Men, there, helped me and my sister, in some of the Sangam. There, among one thousand, if not more boats, ferrying people interspersed with water, police looking out for anyone drowning. Drones doing the same. The water was clean, no flotillas of food and such. This was practical arrangement so assiduously done that the Chief Minister of UP deserves a standing accolade. Even the police was available to help us.

Driver confirmed that he had done fifteen trips to Sangam with different people. So, at 2 A.M. all

son, but the policeman gave a growl to the boatman and he came down to the same pier for the whole boat. So now, me, my sister, the policeman, and the driver and a very old couple, who had latched on, went for the *snan*. The policeman told me that he'd joined in as his duty had got over; so, a *snan* was in for him too.

Sangam is indescribable. As I waited to be pulled into the water, (Yes, you need help at my age, but there are kind men all around you, women too at Kumbh). This is what absolution does to humanity, help, happiness, general goodness) what else could be of value? When humanity re-finds oneself and discovers this right within oneself! One really rich lady and her husband were taking a dip before us. They were taking a dip before us. It was a sight to see that man looking at his wife, so happy to be there. His ecstasy in her happiness was a picture of blessing. The Men, there, helped me and my sister, in some of the Sangam. There, among one thousand, if not more boats, ferrying people interspersed with water, police looking out for anyone drowning. Drones doing the same. The water was clean, no flotillas of food and such. This was practical arrangement so assiduously done that the Chief Minister of UP deserves a standing accolade. Even the police was available to help us.

Driver confirmed that he had done fifteen trips to Sangam with different people. So, at 2 A.M. all

son, but the policeman gave a growl to the boatman and he came down to the same pier for the whole boat. So now, me, my sister, the policeman, and the driver and a very old couple, who had latched on, went for the *snan*. The policeman told me that he'd joined in as his duty had got over; so, a *snan* was in for him too.

Sangam is indescribable. As I waited to be pulled into the water, (Yes, you need help at my age, but there are kind men all around you, women too at Kumbh). This is what absolution does to humanity, help, happiness, general goodness) what else could be of value? When humanity re-finds oneself and discovers this right within oneself! One really rich lady and her husband were taking a dip before us. They were taking a dip before us. It was a sight to see that man looking at his wife, so happy to be there. His ecstasy in her happiness was a picture of blessing. The Men, there, helped me and my sister, in some of the Sangam. There, among one thousand, if not more boats, ferrying people interspersed with water, police looking out for anyone drowning. Drones doing the same. The water was clean, no flotillas of food and such. This was practical arrangement so assiduously done that the Chief Minister of UP deserves a standing accolade. Even the police was available to help us.

Driver confirmed that he had done fifteen trips to Sangam with different people. So, at 2 A.M. all

son, but the policeman gave a growl to the boatman and he came down to the same pier for the whole boat. So now, me, my sister, the policeman, and the driver and a very old couple, who had latched on, went for the *snan*. The policeman told me that he'd joined in as his duty had got over; so, a *snan* was in for him too.

Sangam is indescribable. As I waited to be pulled into the water, (Yes, you need help at my age, but there are kind men all around you, women too at Kumbh). This is what absolution does to humanity, help, happiness, general goodness) what else could be of value? When humanity re-finds oneself and discovers this right within oneself! One really rich lady and her husband were taking a dip before us. They were taking a dip before us. It was a sight to see that man looking at his wife, so happy to be there. His ecstasy in her happiness was a picture of blessing. The Men, there, helped me and my sister, in some of the Sangam. There, among one thousand, if not more boats, ferrying people interspersed with water, police looking out for anyone drowning. Drones doing the same. The water was clean, no flotillas of food and such. This was practical arrangement so assiduously done that the Chief Minister of UP deserves a standing accolade. Even the police was available to help us.

Driver confirmed that he had done fifteen trips to Sangam with different people. So, at 2 A.M. all

son, but the policeman gave a growl to the boatman and he came down to the same pier for the whole boat. So now, me, my sister, the policeman, and the driver and a very old couple, who had latched on, went for the *snan*. The policeman told me that he'd joined in as his duty had got over; so, a *snan* was in for him too.

Sangam is indescribable. As I waited to be pulled into the water, (Yes, you need help at my age, but there are kind men all around you, women too at Kumbh). This is what absolution does to humanity, help, happiness, general goodness) what else could be of value? When humanity re-finds oneself and discovers this right within oneself! One really rich lady and her husband were taking a dip before us. They were taking a dip before us. It was a sight to see that man looking at his wife, so happy to be there. His ecstasy in her happiness was a picture of blessing. The Men, there, helped me and my sister, in some of the Sangam. There, among one thousand, if not more boats, ferrying people interspersed with water, police looking out for anyone drowning. Drones doing the same. The water was clean, no flotillas of food and such. This was practical arrangement so assiduously done that the Chief Minister of UP deserves a standing accolade. Even the police was available to help us.

Driver confirmed that he had done fifteen trips to Sangam with different people. So, at 2 A.M. all

son, but the policeman gave a growl to the boatman and he came down to the same pier for the whole boat. So now, me, my sister, the policeman, and the driver and a very old couple, who had latched on, went for the *snan*. The policeman told me that he'd joined in as his duty had got over; so, a *snan* was in for him too.

Sangam is indescribable. As I waited to be pulled into the water, (Yes, you need help at my age, but there are kind men all around you, women too at Kumbh). This is what absolution does to humanity, help, happiness, general goodness) what else could be of value? When humanity re-finds oneself and discovers this right within oneself! One really rich lady and her husband were taking a dip before us. They were taking a dip before us. It was a sight to see that man looking at his wife, so happy to be there. His ecstasy in her happiness was a picture of blessing. The Men, there, helped me and my sister, in some of the Sangam. There, among one thousand, if not more boats, ferrying people interspersed with water, police looking out for anyone drowning. Drones doing the same. The water was clean, no flotillas of food and such. This was practical arrangement so assiduously done that the Chief Minister of UP deserves a standing accolade. Even the police was available to help us.

Driver confirmed that he had done fifteen trips to Sangam with different people. So, at 2 A.M. all

son, but the policeman gave a growl to the boatman and he came down to the same pier for the whole boat. So now, me, my sister, the policeman, and the driver and a very old couple, who had latched on, went for the *snan*. The policeman told me that he'd joined in as his duty had got over; so, a *snan* was in for him too.

